

१४-११-१५ फ़्रावली देश। वकील प्राणी अनुपरिधान। स्वयं
प्राणीगण अनुपरिधान। वर-वर रुक-रुक कर
अध्यात्म्य सभाएत होने लडु आवाज दिग्गारि
गई। सिन्नु कोइभी उपरिधान होउर द। फिर
अध्यात्म्य मही आये हैं। अतः द्वावा प्राणीगण
अदम हाफिरि। अदम फेरकी मे य। रिम निठिति
दिया जाता हैं। फ़्रावली जैसक शुमार वाद
लडमील नम कर से उय होउर द। रिम द्वावर
हो।

उपखण्ड अधिकारी एवं सहायक कलक्टर
मनोहरथाना, जिला झालावाड़ (राज.)